गौरैया संरक्षणः एक दिवसीय संगोष्ठी

दिनांक–24–05–2022 को बर्फिया लाल जुवांठा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुरोला (उत्तरकाशी) में गौरैया संरक्षणः एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग प्रभारी डॉ0 प्रियंका ने किया।

डॉ0 विनय प्रकाश नौटियल ने कार्यक्रम की रूपरेख को समझाया तत्पश्चात विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे मुख्य अतिथि बन क्षेत्राधिकारी श्री ज्वाला प्रसाद गोविन्द वन्य जीव विहार मोरी तथा वन क्षेत्राधिकरी श्रीमती अमिता चौहान ने विस्तार से गौरैया सहित अन्य वन्य जीव–जन्तुओं सहित पेड़–पौधों के संरक्षण पर अपने विचार रखे। उन्होने पारस्थिति तन्त्र को समझाया तथा मानव जीवन के लिए पर्यावरण की महतता को विस्तार से समझाया।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ0 गणेश प्रसाद रतूड़ी ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए संगोष्ठी से छात्र/छात्राओं को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने की अपेक्षा की। तत्पश्चत संयोजक डॉ0 प्रियांका ने गौरैया के विषय में विस्तार से जानकारी दी और समझाया कि किस प्रकार से गौरैया की कम होती संख्या अन्य कई प्रजातियों के कम होने की ओर संकेत कर रहा है।

तत्पश्चात वन क्षेत्राधिकारी ज्वाला प्रसाद ने छात्र/छात्राओं को गौरैया की महतता तथा अन्य जीवों के संरक्षण से पर्यावरण के सन्तुलन पर प्रकाश डाला। वन क्षेत्राधिकरी श्रीमती अमिता चौहान ने बनो में लगने वाली आग से नष्ट होने वाली कई प्रजाति के जीव–जन्तुओं एवं पेड़–पौधों के नष्ट होने पर खेद जताते हुए बनों में लगने वाली आग के प्रति जागरूक किया।

साथ ही अपेक्षा की कि छात्र/छात्राएं अपने गांव घरों में इन बातों को समझाएं और लोगों से कहें कि वे जंगज में आग न लगाएं। छात्र/छात्राओं ने संगोष्ठी का रूचि पूर्वक सुना।

ठस अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाया गया। जिसके संयोजक डॉ0विशम्बर जोशी वनस्पति विज्ञान विज्ञान के प्रभारी रहे।

प्रतियोगिता मे आरती ने प्रथम स्थान तथा रीना रावत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दोनों छात्राओं को मुख्य अतिथियों द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान किये गये। साथ ही महाविद्यालय द्वारा सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये।

प्राध्यापक श्री कृष्णदेव रतूड़ी ने अपने सम्बोधन में अतिथियों को धन्यवाद दिया तथा छात्र/छात्राओं से अपेक्षा की कि उक्त बिन्दूओं पर वे अमल करेंगे और अपने जीवन में लागू करेंगे।

अन्त में प्रथारी प्राचार्य डॉ0 गणेश प्रसाद रतूड़ी ने सभी का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

कार्यक्रम समापन के बाद गैरैया के लिए बनाएं गये घोसलों को अतिथियों द्वारा महाविद्यालय के बरामदें में स्थापित किया किया गया।

कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर अर्थशास्त्र श्री राजेन्द्र लाल आर्य ने किया।

सादर धन्यवाद समस्त महाविद्यालय परिवार

द्वारा

कार्यक्रम संयोजक

डॉ0 प्रियंका

द्वारा–

राजेन्द्र लाल आर्य संचालक ***प्राचार्य***

सादर धन्यवाद ***डॉ0 ए0 के0 तिवारी***